ईरान पर भारत की कड़ी नजर

विदेश मंत्रालय ने कहा - लोगों के लिए जो भी आवश्यक होगा, हम करेंगे

9000 हजार भारतीय नागरिक ईरान में

नई दिल्ली 16 जनवरी. भारत ने कहा है कि वह ईरान की स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और वहां रहने वाले लगभग 9,000 भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सभी कदम उठाएगा.

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को यहां साप्ताहिक ब्रीफिंग में ईरान से संबंधित सवालों का जवाब देते हुए कहा, ईरान में हमारे लगभग 9,000 भारतीय नागरिक हैं, इनमें अधिकांश छात्र हैं, साथ ही

तीर्थयात्री, नाविक और व्यवसायी भी हैं. हमने भारतीय नागरिकों को ईरान की यात्रा से बचने की सलाह दी है, और जो पहले से वहां हैं, उन्हें देश छोड़ने का अनुरोध किया गया है. अभी वाणिज्यिक उड़ानें उपलब्ध हैं, उन्हें इसका उपयोग कर देश लौटना चाहिए.

नागरिक अगली सूचना तक ईरान की यात्रा टालें

जायसवाल ने कहा कि हम स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं और हमारे लोगों के लिए जो भी आवश्यक होगा, हम करेंगे. ईरान की बदलती स्थिति को देखते हुए, विदेश मंत्रालय भारतीय नागरिकों की भारत वापसी में सुविधा प्रदान करने की तैयारी कर रहा है. इससे संकेत मिलता है कि यदि स्थिति बिगड़ती है तो तो वहां से जल्द ही नागरिकों को सुरक्षित निकाला जा सकता है. विदेश मंत्रालय ने ईरान की स्थिति पर जारी परामर्श में भारतीय नागरिकों से कहा था कि आगे की सूचना तक ईरान की यात्रा टालें. तेहरान में भारतीय दूतावास ने सलाह दी थी कि ईरान में मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए, वहां मौजूद छात्र, तीर्थयात्री, व्यवसायी या पर्यटक भारतीय नागरिक उपलब्ध परिवहन साधनों, जिनमें वाणिज्यिक उड़ानें भी शामिल हैं, के माध्यम से देश छोड़ दें. पांच जनवरी को जारी एक अन्य परामर्श में विदेश मंत्रालय ने गैर-जरूरी ईरान यात्रा से बचने का आग्रह किया था और ईरान में रहने वाले भारतीय नागरिकों और भारतीय मूल के नागरिकों से कहा था कि वे प्रदर्शन वाले क्षेत्रों में जाने से बचें. ये परामर्श ईरान में हो रहे व्यापक विरोध प्रदर्शनों के मद्देनजर जारी किये गये. ये प्रदर्शन पिछले महीने ईरानी मुद्रा रियाल के रिकॉर्ड निम्न स्तर पर जाने के बाद शुरू हुए थे और अब सभी 31 प्रांतों में फैल गए हैं.

उम्मीद वक्फ पोर्टल याचिका खारिज

सुप्रीम कोर्ट का तकनीकी गड़बड़ी पर सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली, 16 जनवरी. उच्चतम न्यायालय ने केन्द्र सरकार के उम्मीद पोर्टल में तकनीकी गड़बड़ियों के आरोप वाली एक याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया है.

एक मुतवल्ली ने याचिका दायर कर वक्फ सम्पति की जानकारी अपलोड करने के लिए इस्तेमाल होने वाले केंद्र सरकार के उम्मीद पोर्टल में तकनीकी गड़बड़ियों का आरोप लगाया गया था. मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की खंडपीठ ने शुक्रवार को याचिका खारिज करते हुए याचिकाकर्ता को शिकायतों के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों से संपर्क करने की

छूट दी. खंडपीठ ने कहा, हमें इस रिट याचिका पर सुनवाई का कोई आधार नहीं दिखता. याचिकाकर्ता को सलाह दी जा सकती है कि वह स्पष्टीकरण या शिकायतों के समाधान के लिए तय अधिकारियों से संपर्क करें. खंडपीठ ने शुरुआत में कहा कि याचिकाकर्ता ने उच्च न्यायालय के बजाय सीधे उच्चतम न्यायालय का दरवाजा क्यों खटखटाया. इसके जवाब में याचिकाकर्ता के वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. मेनका गुरुस्वामी ने कहा कि उच्च न्यायालय ऐसे मामलों पर सुनवाई करने से हिचकिचा रहे हैं.

दिल्ली की धरोहर पर सुप्रीम निगरानी

दिल्ली की ऐतिहासिक और पुरातात्विक विरासत एक बार फिर न्यायिक दायरे में है. वर्षों से उपेक्षा, अवैध कब्जों और अस्थायी संरक्षण के आरोप झेल रहे धरोहर स्थलों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है. अदालत ने संकेत दिए हैं कि वह न केवल एक स्मारक, बल्कि दिल्ली के सभी उपेक्षित विरासत स्थलों के रखरखाव और संरक्षण की निगरानी कर सकती है. यह टिप्पणी लगभग 500 साल पुराने लोधी कालीन शेख अली 'गुमटी' से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान सामने आई.

संपत्ति मामले में सुप्रीम कोर्ट ने करिश्मा कपूर को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली. उच्चतम न्यायालय ने दिवंगत उद्योगपति संजय कपूर की विधवा प्रिया कपूर द्वारा दायर याचिका पर पूर्व पत्नी अभिनेत्री करिश्मा कपूर को नोटिस जारी किया. प्रिया ने 2016 में संजय और करिश्मा के बीच हुए तलाक की कार्यवाही से संबंधित गोपनीय दस्तावेजों तक पहुंच की मांग की है. दिवंगत व्यवसायी की तीसरी पत्नी प्रिया कपूर ने तलाक से संबंधित सभी दस्तावेजों की प्रमाणित प्रतियां प्राप्त करने के लिए उच्चतम न्यायालय का रुख किया.

रुपए लेकर पट्टा करने वालों पर हो कार्रवाई

मुख्यमंत्री योगी ने शिकायतों पर अधिकारियों को दिए निर्देश

गोरखपुर, 16 जनवरी. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को आयोजित जनता दर्शन में भूमि पट्टा आवंटन से जुड़ी कतिपय शिकायतों पर अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिस भी गांव में रुपया लेकर पट्टा आवंटन की शिकायत हो, वहां तत्काल जांच कर दोषी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करें.

गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में शुक्रवार सुबह आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं. कुर्सियों पर बैठे लोगों तक खुद चलकर

गए. उनकी समस्याओं व शिकायतों को सुना और समझा. सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश दिया. मुख्यमंत्री ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है. जनता दर्शन में एक महिला ने गांव में गरीबों के जमीन पट्टा आवंटन में अनियमितता की शिकायत की.

मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां भी रुपया लेकर जमीन पट्टा दिया गया हो, वहां संबंधित की जिम्मेदारी तय कर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाए. अपराध से संबंधित शिकायतों पर सीएम ने पुलिस अधिकारियों को अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए. साथ ही प्रशासन के अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पात्र व्यक्ति को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जाए. इसी क्रम में एक महिला ने आर्थिक तंगी को लेकर बिटिया की शादी की चिंता व्यक्त की तो योगी ने अधिकारियों से कहा कि बिटिया का विवाह सीएम सामूहिक विवाह योजना में कराने की व्यवस्था करें.

मचाडो ने अपना नोबेल शांति पुरस्कार ट्रंप को भेंट स्वरूप दिया

नई दिल्ली/वॉशिंगटन, 16 जनवरी. नोबेल शांति पुरस्कार(2025) से सम्मानित मारिया कोरिना मचाडो ने अपना प्रतिष्ठित पुरस्कार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भेंट किया.

राष्ट्रपति ट्रंप ने गुरुवार को सुश्री मचादो से मुलाकात के बाद एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, आज वेनेजुएला की मारिया कोरिना मचाडो से मिलना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात थी. वह एक अद्भुत महिला हैं जो बहुत कुछ झेल चुकी हैं. मारिया ने मेरे द्वारा किए गए कार्यों के लिए मुझे अपना नोबेल शांति पुरस्कार भेंट किया. आपसी सम्मान का कितना

अद्भुत भाव है. धन्यवाद मारिया! दूसरी ओर नोबेल समिति और नोबेल संस्थान ने आधिकारिक बयान जारी कर स्पष्ट किया है कि एक बार नोबेल शांति पुरस्कार दिए जाने के बाद उसे हस्तांतरित, साझा या रद्द नहीं किया जा सकता है.

पुस्तक मेले में युवाओं को देखना सुखद

नौसेना अध्यक्ष त्रिपाठी ने राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के प्रयासों की सराहना की

नई दिल्ली, 16 जनवरी. विश्व पुस्तक मेला में शुक्रवार को पहुंचे भारतीय नौसेना अध्यक्ष एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने बुक स्टॉलों पर बड़ी संख्या में युवाओं को देखकर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये इसे सुखद बताया.

वहीं राजधानी के सर्द मौसम के बावजूद पुस्तक प्रेमियों की गर्मजोशी बनी हुई है. विश्व पुस्तक मेला के सातवें दिन न केवल अन्य दिनों से अधिक भीड़ नजर आई. नौसेनाध्यक्ष एडमिरल त्रिपाठी ने शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के प्रयासों की सराहना

की. उन्होंने कहा, जब हम भारतीय सैन्य बलों की बात करते हैं, तो हम लीडरशिप (नेतृत्व) के महत्वपूर्ण निर्णयों की बात करते हैं. उन्होंने पुस्तक और नेतृत्व के बीच गहरा संबंध बताते हुये कहा कि पढ़ना न केवल युद्ध के समय, बल्कि दैनिक जीवन में भी बहुत उपयोगी होता है. उन्होंने सभी को पढ़ने की आदत विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि सोने से पहले केवल दो पन्ने पढ़ना भी व्यक्ति को बेहतर बना सकता है.

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के भारत मंडपम में चल रहे विश्व पुस्तक मेला के सातवें दिन पहुंचने वाले विशिष्ट अतिथियों में केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, मिजोरम के राज्यपाल जनरल (सेवानिवृत्त) वीके सिंह और पंजाब के पूर्व राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित शामिल रहे. थीम पवेलियन में कमांडर कलेश मोहनन, लेफ्टिनेंट कमांडर अनुपमा थपलियाल और लेफ्टिनेंट जीवितेश सहारन द्वारा लिखित पुस्तक फोर्ज्ड बाय द सी- द इंडियन नेवी स्टोरी का लोकार्पण नौसेनाध्यक्ष एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी की उपस्थिति में किया गया.

एक नजर में

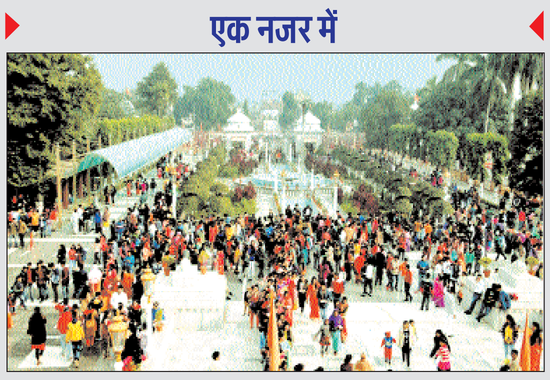

आस्था व रोजगार का संगम बना खिचड़ी मेला

गोरखपुर 16 जनवरी. नाथपंथ के विश्व प्रसिद्ध गोरखनाथ मंदिर में आयोजित एक माह तक चलने वाला विश्व प्रसिद्ध खिचड़ी मेला आस्था, मनोरंजन और रोजगार का संगम बन गया है. यहां बाबा गोरखनाथ का दर्शन कर खिचड़ी च?ने के बाद श्रद्धालु मेले में मनोरंजन कर जरूरी सामानों की खूब खरीदारी कर रहे हैं. मेले में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़ इतनी अधिक है कि यहां दुकान लगाने वालों का रोजगार .कारोबार उनकी आर्थिकी में अभूतपूर्व वृद्धि कर रहा है. मकर संक्रांति के दिन मंगलवार को गोरखनाथ मंदिर में 15 लाख से अधिक श्रद्धालुओं का आगमन हुआ. इसके बाद से शुक्रवार को भी समूचा मेला परिसर श्रद्धालुओं की भीड़ से खचाखच भरा रहा और खिचड़ी मेला महाशिवरात्रि तक जारी रहेगा.

पीएम का पश्चिम बंगाल व असम दौरा आज से

नई दिल्ली, 16 जनवरी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार से पश्चिम बंगाल और असम की दो दिन की यात्रा पर जाएंगे. प्रधानमंत्री मालदा में 3 हजार 250 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न रेल और सड़क परियोजनाओं और हुगली के सिंगुर में 830 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण करेंगे. वे हावड़ा और गुवाहाटी (कामाख्या) के बीच भारत की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे.

मुख्य न्यायाधीश बाबा विश्वनाथ के करेंगे दर्शन

वाराणसी, 16 जनवरी. उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत दो दिवसीय दौरे पर शुक्रवार शाम को काशी पहुंचेंगे. ट्रैफिक पुलिस द्वारा सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए शहर में गोदौलिया से मैदागिन, गोदौलिया से श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर की ओर जाने वाले सभी मार्गों को नो व्हीकल जोन घोषित किया गया है. होटल ताज में रात्रि विश्राम के बाद 17 जनवरी को चंदौली में जिला न्यायालय के शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल होंगे.

युवाओं में जागृत हुई राष्ट्र प्रथम की भावना

मुख्यमंत्री भजनलाल ने सेना दिवस पर कहा

जयपुर 16 जनवरी. राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद जयपुर में हुई यह पहली सेना दिवस परेड है जो हमारी सेना की जीत का जश्न है जिसमें ऑपरेशन सिंदूर में प्रयुक्त अत्याधुनिक हथियारों का प्रदर्शन किया गया है.

वहीं इस परेड को देखकर युवाओं के अंदर राष्ट्र प्रथम की भावना जागृत हुई है. श्री शर्मा गुरुवार को 78वें सेना दिवस के अवसर पर सवाई मानसिंह स्टेडियम में आयोजित किए गए शौर्य संध्या कार्यक्रम को संबोधित

कर रहे थे. उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सेना की ताकत और संकल्प का जीवंत उदाहरण है. इसने पूरी दुनिया को दिखाया कि भारत आतंकवाद के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने में सक्षम है. उन्होंने कहा कि सेना दिवस परेड यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की दूरदर्शी सोच को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है. जिसके तहत सैन्य आयोजनों को दिल्ली से बाहर ले जाकर देश की आम जनता तक पहुंचाना है. उन्होंने कहा कि वीरों की मातृभूमि राजस्थान में सेना दिवस परेड का आयोजन हुआ है तथा इसे एक उत्सव और राष्ट्रीय पर्व की तरह मनाया गया है. उन्होंने कहा कि सेना दिवस परेड के लिए गत एक महीने में सम्मान दौड़, साइकिल रैली, कर्टन रेजर, चिकित्सा शिविर, अपनी सेना को जानिए, सेना दिवस परेड और शौर्य संध्या जैसे विविध आयोजनों ने जनमानस को सेना से सीधे जोड़ने का कार्य किया. उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों को 15 लाख से अधिक लोगों ने प्रत्यक्ष रूप से देखा और करोड़ों लोगों ने डिजिटल माध्यमों से इसका साक्षात्कार किया.

आज का इतिहास

1595- फ्रांस के राजा हेनरी चतुर्थ ने स्पेन के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।

1601- मुग़ल बादशाह अकबर ने असीरगढ़ के अभेद्य किले में प्रवेश किया।

1706- अमेरिकी लेखक बेंजामिन फ्रेंकलीन का जन्म हुआ था।

1917 - दक्षिण भारतीय सिनेमा के प्रसिद्ध अभिनेता तथा बाद में सक्रिय राजनीति में आकर सफलता हासिल करने वाले एम जी रामचन्द्रन का जन्म।

1918 - प्रसिद्ध फिल्म निर्माता निर्देश कमाल अमरोही का जन्म हुआ था।

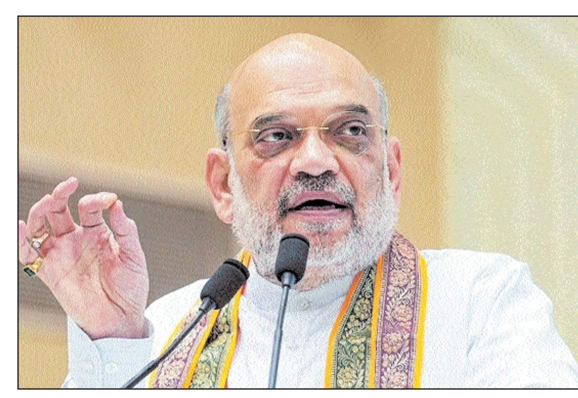

दिल्ली के पतंगोत्सव को उत्सवों का केन्द्र बनाने के लिए समिति गठित करें

अमित शाह अंतरराष्ट्रीय पतंगोत्सव में हुए शामिल

नई दिल्ली, 16 जनवरी. केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को यहां अंतरराष्ट्रीय पतंगोत्सव में हिस्सा लिया और कहा कि पतंगोत्सव को दिल्ली और समूचे देश में विस्तार देने तथा दिल्ली के पतंगोत्सव को इसका केन्द्र बनाने के लिए एक समिति गठित करनी चाहिए.

उन्होंने कहा कि यह समिति इसे लोकप्रिय बनाने और इसमें जनभागीदारी बढ़ाने के पहलुओं पर काम करेगी. इस अवसर पर दिल्ली के उप-राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे. श्री शाह ने कहा कि उत्तरायण का पर्व पूरे देश में अलग-अलग नामों से मनाया जाता है. यह पर्व इसलिए खुशी का पर्व है क्योंकि हमारा ऋतु चक्र और हमारा जीवन असीम ऊर्जा के स्रोत भगवान सूर्यनारायण पर निर्भर होता है. महाकवि कालिदास जी ने भारतवासियों के लिए कहा था - उत्सवप्रिया: खलु मनुष्या:, यानी भारत के लोग उत्सवप्रिय होते हैं. हर ऋतु में देश के अलग-अलग हिस्सों में उत्सवों का आयोजन किया जाता है. हम उत्सवों के माध्यम से पूरे समाज को एकजुट करके आगे बढ़ने की सोच रखते हैं. उन्होंने कहा कि पतंगोत्सव को सतत प्रयासों से और अधिक लोकप्रिय बनाने की जरूरत है.

बांसेरा पर्यटकों के आकर्षण का बन रहा केंद्र

उन्होंने कहा कि पतंगोत्सव देश की जनता को दिल्ली से जोड़ेगा और आगे चलकर यह पूरे देश का उत्सव बन सकता है. पतंगोत्सव को दिल्ली और समूचे देश में विस्तार देने तथा दिल्ली के पतंगोत्सव को इसका केन्द्र बनाने के लिए एक समिति गठित करनी चाहिए, जो इसे लोकप्रिय बनाने और इसमें जनभागीदारी बढ़ाने के पहलुओं पर काम करे. उन्होंने कहा अगला पतंगोत्सव ऐसा हो जिससे इस उत्सव का स्थान देश और दुनिया के प्रमुख पतंगोत्सवों में अग्रणी स्थानों में शामिल हो. श्री शाह ने कहा कि दिल्ली में देश के अलग-अलग किस्मों के बांस से सुसज्जित सुंदर प्राकृतिक स्थान बाँसेरा पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन रहा है.

बांग्लादेश में हिंदू शिक्षक का घर जलाया

ढाका, 16 जनवरी. बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। ताजा मामला सिलहट के गोवाइनघाट तहसील से सामने आया है. यहां कुछ लोगों ने एक हिंदू शिक्षक के घर को आग लगा दी. शिक्षक का नाम बिरेंद्र कुमार डे है. घटना गोवाइनघाट इलाके में गुरुवार देर रात हुई. अज्ञात लोगों ने बिरेंद्र कुमार डे के घर में आग लगा दी. देखते ही देखते आग पूरे घर में फैल गई. घर में मौजूद परिवार के लोग किसी तरह जान बचाकर बाहर निकल आए. घटना में किसी के घायल होने की पुष्टि नहीं हुई है. हालांकि घर का बड़ा हिस्सा जलकर खाक हो गया. स्थानीय लोगों का कहना है कि आग जानबूझकर लगाई गई है.

आतंकी सोच का अंत लक्ष्य : राजनाथ

सेना दिवस पर शौर्य संध्या का आयोजन

जयपुर, 16 जनवरी. केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सेना दिवस मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले जवानों के अदम्य साहस, अटूट समर्पण और अप्रतिम बलिदान की गाथा को स्मरण करने का दिन है. इन्हीं के कारण आज पूरा भारत सुरक्षित है.

उन्होंने कहा कि राजस्थान के कण-कण में वीरता की गाथाएं समाई हैं. शौर्य, पराक्रम और त्याग की अमर कहानियों से यहां का इतिहास भरा हुआ है. राजस्थान की धरती ने हमेशा भारत की सैन्य परंपरा को आगे बढ़ाया है एवं इसे

शक्ति तथा गरिमा भी प्रदान की है. श्री सिंह गुरुवार को 78वें सेना दिवस के अवसर पर सवाई मानसिंह स्टेडियम में आयोजित किए गए शौर्य संध्या कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप की तलवार से लेकर राणा सांगा के शौर्य तक, पन्नाधाय के त्याग से लेकर मीराबाई की भक्ति तक और भामाशाह की संपत्ति तक इस भूमि ने हर क्षेत्र में अद्भुत पुरूषार्थ का परिचय दिया है.

रक्षा मंत्री ने कहा कि राजस्थान के सभी समुदायों के वीरों ने सेना में अपनी अमिट छाप छोड़ी है. आज भी राजस्थान के युवा सेना की विभिन्न रेजिमेंट में सेवारत होकर देश की सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि राजस्थान के ऐतिहासिक किलों, महलों और स्मारकों ने सैकड़ों वर्षों से सैन्य क्षमता, रणनीति और साहस का पोषण किया है. ऐसी शौर्य भूमि पर शौर्य संध्या का आयोजन वीर सैनिकों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है. रक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय सैनिक सिर्फ योद्धा नहीं होता बल्कि एक दार्शनिक और कुशल प्रबंधक भी होता है.

महाराष्ट्र चुनाव | **दोनों पवारों के बीच अंतिम समय में हुआ था गठबंधन**

चाचा-भतीजे का गठबंधन नाकाम साबित हुआ

पुणे, 16 जनवरी. पुणे और पिंपरी चिंचवड़ नगर निगम चुनावों में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के दोनों पवारों के बीच अंतिम समय में हुआ गठबंधन कोई खास असर नहीं दिखा पाया.

इस इलाके में राजनीतिक समीकरण तब बदले जब श्री अजीत पवार ने स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने का फैसला किया और बाद में आखिरी समय में श्री शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा के साथ गठबंधन करने की इच्छा जताई. इस कदम ने उस मुकाबले में प्रतिस्पर्धा का तत्व जोड़ दिया जो शुरू में एक सीधा

मुकाबला लग रहा था. राकांपा का पारंपरिक रूप से पुणे के कई उपनगरीय इलाकों के साथ-साथ शहर के मुख्य क्षेत्रों के कुछ हिस्सों में भी प्रभाव रहा है. दोनों राकांपा गुटों के एक साथ चुनाव लड़ने से यह उम्मीद थी कि यह संयुक्त ताकत चुनावी फायदे में बदलेगी. इसके अलावा श्री अजीत पवार ने कई प्रभावशाली उम्मीदवारों को शामिल किया जिन्हें भाजपा ने टिकट नहीं दिया था और उन्हें उम्मीदवार बनाया, जिससे कड़ी टक्कर की उम्मीदें और बढ़ गईं. खासकर पिंपरी-चिंचवड़ को लंबे समय से राकांपा का गढ़ माना जाता रहा है. श्री शरद पवार ने शहर के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जबकि श्री अजीत पवार ने इसकी राजनीतिक-प्रशासनिक संरचना को आकार देने में अहम भूमिका रही. जब भाजपा पहले नगर निगम में सत्ता में आई थी, तो उसने ऐसा काफी हद तक उन नेताओं के समर्थन से किया था जो राकांपा से अलग हो गए थे.

स्याही विवाद पर राहुल का चुनाव आयोग पर हमला

बीएमसी चुनाव के दौरान मतदाताओं की उंगलियों पर लगाई गई स्याही को लेकर उठे विवाद ने सियासी रंग पकड़ लिया है. राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर चुनाव आयोग को घेरते हुए उस पर जनता को भ्रमित करने का आरोप लगाया है.

हरकी पैड़ी पर गैर-हिंदुओं का प्रवेश निषेध का लगाया पोस्टर

हरिद्वार 16 जनवरी. उत्तराखंड में हरिद्वार की विश्वप्रसिद्ध हरकी पैड़ी पर गैर-हिंदुओं के प्रवेश को लेकर शुक्रवार को विवाद गहरा गया. गंगा सभा द्वारा की जा रही लगातार मांग के बाद अब हरकी पैड़ी क्षेत्र में पोस्टर लगाए गए हैं, जिनमें स्पष्ट रूप से लिखा गया है कि यह क्षेत्र गैर-हिंदुओं का प्रवेश निषेध है. पोस्टरों में इसे म्यूनिसिपल एक्ट हरिद्वार के तहत बताया गया है. हरकी पैड़ी क्षेत्र की व्यवस्थाओं से जुड़ी संस्था गंगा सभा इस मुद्दे पर खुलकर सामने आ गई है. संस्था का कहना है कि हरकी पैड़ी सनातन धर्म और आस्था का प्रमुख केंद्र है.

भारत-जापान रणनीतिक साझेदारी मजबूत

जयशंकर की जापान के मोतेगी के साथ रणनीतिक वार्ता

नई दिल्ली, 16 जनवरी. विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा है कि भारत-जापान विशेष रणनीतिक एवं वैश्विक साझेदारी निरंतर प्रगति के पथ पर है और वैश्विक व्यवस्था को आकार देने तथा अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में जोखिम कम करने की अपार क्षमता रखती है.

डॉ. जयशंकर ने शुक्रवार को यहां जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी के साथ 18वीं भारत-जापान रणनीतिक वार्ता की सह-अध्यक्षता के बाद यह बात कही. दोनों देशों ने आर्थिक सहयोग, समुद्री सहयोग, आपूर्ति श्रृंखला, महत्वपूर्ण खनिज,

प्रौद्योगिकी, लोगों के बीच परस्पर संपर्क तथा बहुपक्षीय सहयोग को और गहरा करने पर चर्चा की. उन्होंने हिंद-प्रशांत क्षेत्र तथा क्षेत्रीय एवं वैश्विक घटनाक्रमों पर भी उपयोगी विचार-विमर्श किया.

मुलाकात के बाद विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज नयी दिल्ली में जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी के साथ 18वीं भारत-जापान रणनीतिक वार्ता की सह-अध्यक्षता कर प्रसन्नता हुई.

डॉ. जयशंकर ने वार्ता के दौरान अपने जापानी समकक्ष से कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जापान के साथ काम करने को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है. दोनों देशों के बड़े लोकतंत्र और अर्थव्यवस्था होने के मद्देनजर दोनों के पास न केवल अवसर है, बल्कि जिम्मेदारी और कर्तव्य भी है कि हम वैश्विक व्यवस्था को आकार दें. मौजूदा अनिश्चित वैश्विक परिस्थितियों में यह और भी महत्वपूर्ण है कि हम साझा रणनीतिक लक्ष्यों की दिशा में करीबी सहयोग करें. आर्थिक सुरक्षा को विशेष रूप से बेहद महत्वपूर्ण बताते हुए कहा दोनों को यह तय करना है अपनी अर्थव्यवस्था के जोखिम को कैसे कम किया जाए.